(b) whether some applications for Telephone connections are under consideration of Telephone authorities; and

(c) if so, the number thereof and the reasons for not providing them with Telephone connections?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) The total number of telephone connections, Exchange-wise, in Patna were as follows as on 30th November 1972:—

Patna	5612
Rajindar Nagar	2702
Patna City	1216
Danapur	228

(b) Yes.

(c) Applications pending in different Exchanges on 30th November 1972 were as follows:—

Exchange	Waiting List	
	O.Y.T.	Non-O.Y.T.
Patna	20	246
Rajinder Nagar	—	33
Patna City	—	—
Danapur	—	—

In Patna Exchange, no connections are being released at present due to lack of exchange capacity. In other exchanges pending applications are already being processed for compliance.

अन्तरिक्ष की खोज के लिए पंचवर्षीय योजना

4226. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या अन्तरिक्ष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने अन्तरिक्ष की खोज के लिए कोई पंचवर्षीय योजना बनाई है; और

(ख) यदि हां, तो उसकी रूपरेखा क्या है ?

प्रधान मंत्री, परमाणु ऊर्जा मंत्री, इलेक्ट्रानिक्स मंत्री, गृह मंत्री, सूचना और प्रसारण मंत्री तथा अंतरिक्ष मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) और (ख). अन्तरिक्ष अनुसन्धान के लिये पांचवीं पंचवर्षीय योजना अभी तैयार की जा रही है ।

विभागीय परीक्षाओं में हिन्दी का प्रयोग

4227. **श्री श्रीकृष्ण अग्रवाल** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कृषि मंत्रालय की विभागीय परीक्षाओं में अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी के प्रयोग की भी अनुमति दे दी गई है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार के अन्य मंत्रालयों में भी यही सुविधा न देने के क्या कारण हैं और वहां यह सुविधा कब तक दे दी जायेगी ?

गृह मंत्रालय और कार्मिक विभाग में राज्य मंत्री (श्री राम निवास मिर्धा) : (क) जी हां, श्रीमान ।

(ख) विद्यमान अनुदेशों के अनुसार हिन्दी भाषी क्षेत्रों में स्थित मंत्रालयों तथा उनके सम्बद्ध व अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा आयोजित विभिन्न विभागीय परीक्षाओं में विभागीय मैनुअलों, संहिताओं इत्यादि जिनका हिन्दी में अनुवाद उपलब्ध है से सम्बन्धित प्रश्न पत्रों समेत कुछ प्रश्न पत्रों के उत्तर में हिन्दी का वैकल्पिक प्रयोग प्राधिकृत किया जाता है । यह मंत्रालय प्रत्येक मंत्रालय के साथ विचार करके उनके द्वारा आयोजित सभी विभागीय परीक्षाओं में मैनुअलों, संहिताओं इत्यादि के हिन्दी अनुवादों की प्रतीक्षा किये बिना हिन्दी के वैकल्पिक प्रयोग को प्राधिकृत करने में निहित समस्याओं का पता लगा रहा है । इन प्रयत्नों के परिणामस्वरूप कृषि मंत्रालय के अतिरिक्त डाक तथा तार विभाग, आकाशवाणी के महानिदेशालय, रक्षा मंत्रालय तथा कम्पनी कार्य विभाग ने विभागीय मैनुअलों,